Felicitations to the Speaker

प्रधानमंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं। ? (व्यवधान) आपको और इस पूरे सदन को मेरी तरफ से मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, मेरी तरफ से आपको शुभकामनाएं हैं, लेकिन इस पूरे सदन की तरफ से भी आपको अनेक-अनेक शुभकामनाएं। ? (व्यवधान) अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना, बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है। आपका पांच वर्ष का अनुभव और आपके साथ हम लोगों का पांच साल का अनुभव, हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले पांच साल में हम सबका मार्गदर्शन भी करेंगे और देश की आशाएं-आकांक्षाएं पूर्ण करने के लिए इस सदन में अपना दायित्व निभाने में आपकी बहुत बड़ी भूमिका भी रहेगी। ? (व्यवधान)

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि विनम्र और व्यवहार कुशल व्यक्ति सफल और सहज होता है और आपको तो उसके साथ-साथ एक मीठी-मीठी मुस्कान भी मिली हुई है। ? (व्यवधान) आपके चेहरे पर यह मीठी-मीठी मुस्कान पूरे सदन को भी प्रसन्न रखती है। ? (व्यवधान)

मुझे विश्वास है, आप हर कदम पर नए प्रतिमान, नए कीर्तिमान गढ़ते आए हैं। 18वीं लोक सभा में स्पीकर का कार्यभार दूसरी बार संभालना, यह अपने आप में एक नया रिकॉर्ड बनते हुए हम देख रहे हैं। श्री बलराम जाखड़ जी, वे पहले ऐसे अध्यक्ष थे, जिन्हें 5 साल कार्यकाल पूरा करके फिर दोबारा उन्हें स्पीकर बनने का अवसर मिला था। उसके बाद आप हैं, जिन्हें 5 साल पूर्ण करने के बाद दोबारा इस पद पर आसीन होने का अवसर मिला है। गत 20 साल का एक ऐसा कालखंड रहा है कि ज्यादातर स्पीकर्स या तो उसके बाद चुनाव नहीं लड़े हैं, या फिर जीतकर नहीं आए हैं। आप समझ सकते हैं कि स्पीकर का काम कितना कठिन है कि उसके लिए दोबारा जीतना मुश्किल हो जाता है। आप जीतकर आए हैं, यह एक नया इतिहास आपने गढ़ा है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, इस सदन में ज्यादातर हमारे सभी माननीय सांसद आपसे परिचित हैं, आपके जीवन से भी परिचित हैं। पिछली बार मैंने इस सदन में आपके संबंध में काफी कुछ बातें रखी थीं। मैं आज उन बातों को दोहराना नहीं चाहता हूँ, लेकिन मैं एक सांसद के रूप में और हम सभी सांसद के रूप में, आप जिस प्रकार से एक सांसद के नाते काम करते हैं, यह भी जानने योग्य है और बहुत कुछ सीखने योग्य है। मुझे विश्वास है कि आपकी कार्यशैली ऐज ए सांसद भी, हमारे जो फर्स्ट टाइमर सांसद हैं, जो हमारे युवा सांसद हैं, उनको जरूर प्रेरणा देगी।

आपने अपने कार्य क्षेत्र में, अपने संसदीय क्षेत्र में स्वस्थ माँ और स्वस्थ शिशु के लिए एक कमिटमेंट के साथ जो अभियान चलाया है और सुपोषित माँ, इस अभियान को आपने जिस प्रकार से अपने क्षेत्र में प्राथमिकता देकर खुद को इंवॉल्व करके किया है, वह वाकई प्रेरक है। आपने कोटा के ग्रामीण क्षेत्रों में हॉस्पिटल ऑन व्हील्स, यह भी एक मानव सेवा का उत्तम काम है, जिसे राजनीतिक कामों के सिवाय करने वाले कामों में आपने किया है, वह भी अपने आप में गाँव-गाँव में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने में मदद कर रहा है। आप नियमित रूप से गरीबों को कपड़े, कम्बल, मौसम के अनुसार छाते की जरूरत हो तो छाता, जूते आदि, ऐसी अनेक

सुविधाएं समाज के आखिरी तबके के जो लोग हैं, उनको खोज-खोजकर पहुँचाते हैं। अपने क्षेत्र के युवकों को खेलों में प्रोत्साहन देना, यह काम आपने एक प्राथमिकता के रूप में उठाया है।

आपके पिछले कार्यकाल में, 17वीं लोक सभा में, मैं कहता हूँ कि संसदीय इतिहास का वह स्वर्णिम कालखंड रहा है, आपकी अध्यक्षता में संसद में जो ऐतिहासिक निर्णय हुए हैं, आपकी अध्यक्षता में सदन के माध्यम से जो सुधार हुए हैं, वह अपने आप में एक सदन की भी और आपकी भी विरासत है। भविष्य में 17वीं लोक सभा के संबंध में जब विश्लेषण होंगे, उसके विषय में लिखा जाएगा तो भारत के भविष्य को नई दिशा देने में आपकी अध्यक्षता वाली 17वीं लोक सभा की बहुत बड़ी भूमिका रहेगी।

आदरणीय अध्यक्ष जी, 17वीं लोक सभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य बिल, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल, मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक, ट्रांसजेंडर परसन्स प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स बिल, कंज्यूमर प्रोटेक्शन बिल, डायरेक्ट टैक्स विवाद से विश्वास विधेयक आदि सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय महत्व के ऐसे कितने ही महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कानून 17वीं लोक सभा में आपकी अध्यक्षता के अंदर इस सदन ने पारित किए हैं और देश के लिए एक मजबूत नींव बनाई है। जो कार्य आजादी के 70 साल में नहीं हुए हैं, आपकी अध्यक्षता में इस सदन ने इसे करके दिखाया है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, लोकतंत्र की लम्बी यात्रा में कई पड़ाव आते हैं। कुछ अवसर ऐसे होते हैं, जब हमें कीर्तिमान स्थापित करने का सौभाग्य मिलता है। 17वीं लोक सभा में उपलब्धियां, मुझे पूरा विश्वास है देश आज भी और भविष्य में उसका गौरव करेगा। आज देश अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए भारत को आधुनिक बनाने की दिशा में जब हर तरह से प्रयास हो रहे हैं, मैं मानता हूं कि नया संसद भवन भी अमृत काल के भविष्य को लिखने का काम करेगा और वह भी आपकी अध्यक्षता में। नए संसद भवन में हम सबका प्रवेश आपकी ही अध्यक्षता में हुआ और आपने संसदीय कार्य प्रणाली को प्रभावी और जिम्मेदार बनाने के लिए कई प्रभावी और महत्वपूर्ण फैसले लिए और इसलिए लोकतंत्र को मजबूती देने में मदद मिली है। लोक सभा में हम पेपर लेस डिजिटल व्यवस्था से आज काम कर रहे हैं। पहली बार आपने सभी माननीय सांसदों को ब्रीफिंग देने की व्यवस्था खड़ी की है। इससे सभी माननीय सांसदों को आवश्यक रेफरेंस मैटीरियल मिला। उसके कारण सदन की चर्चा अधिक पुष्ट हुई और यह आपका एक अच्छा इनिशिएटिव था, जिसने सांसदों में भी विश्वास पैदा किया कि ?हाँ, मैं भी कुछ कह सकता हूं, मैं भी अपने तर्क दे सकता हूं।? आपने एक अच्छी व्यवस्था को विकसित किया।

आदरणीय अध्यक्ष जी, जी-20 भारत की सफलता का एक महत्वपूर्ण पृष्ठ है, लेकिन बहुत कम चर्चा हुई है और वह है ? पी-20 की चर्चा। आपके नेतृत्व में जी-20 देशों के जो पीठासीन अधिकारी हैं, स्पीकर्स हैं, उनका सम्मेलन आपकी अध्यक्षता में हुआ और अब तक पी-20 के जितने सम्मेलन हुए हैं, उनमें यह एक ऐसा अवसर था कि दुनिया के सर्वाधिक देश आपके निमंत्रण पर भारत आए और बहुत ही उत्तम प्रकार के निर्णय उस समिट में हुए और उसने विश्व में भारत की लोकतंत्र की जो प्रतिष्ठा है, उसे गौरव देने में बहुत बड़ा रोल अदा किया है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, यह हमारा भवन, ये सिर्फ चार दीवारें नहीं हैं। हमारी यह संसद 140 करोड़ देशवासियों की आशा का केन्द्र है। संसद की कार्यवाही, जवाबदेही और आचरण, हमारे देशवासियों के मन में लोकतंत्र के प्रति जो उनकी निष्ठा है, उसको और अधिक मजबूत बनाता है। आपके मार्गदर्शन में सत्रहवीं लोक सभा की प्रोडक्टिविटी 25 सालों के हाइएस्ट लेवल पर 97 प्रतिशत रही। इसके लिए सभी माननीय सदस्य तो अभिनन्दन के अधिकारी हैं, लेकिन आप विशेष अभिनन्दन के अधिकारी हैं।

कोरोना जैसे मुश्किल कालखंड में आपने हर सांसद से व्यक्तिगत रूप से फोन पर बात करके उनका हाल पूछा। कहीं किसी सांसद की बीमारी की खबर आई तो आपने सदन के अध्यक्ष के नाते व्यक्तिगत रूप से उसकी चिंता की। सभी दलों के सांसदों से जब मुझे यह सुनने को मिलता था, तो मुझे बड़ा गर्व होता था कि जैसे आप इस सदन के परिवार के मुखिया के रूप में उस कोरोना कालखंड में भी व्यक्तिगत रूप से चिंता करते थे।

कोरोना काल में भी आपने सदन का काम रुकने नहीं दिया। सांसदों ने भी आपके हर सुझाव को सिर आँखों पर चढ़ाया। किसी को ऊपर बैठने के लिए कहा गया तो वे वहां जाकर बैठे, किसी को दूसरी जगह पर जाकर बैठने को कहा गया तो वे भी वहां जाकर बैठे, लेकिन देश के काम को किसी ने रुकने नहीं दिया। आपने ये जो फैसले किए, उसका परिणाम है कि हम उस कठिन कालखंड में भी कार्य कर पाए। यह खुशी की बात है कि कोरोना काल में सदन ने 170 प्रतिशत प्रोडक्टिविटी की। यह अपने आप में दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी खबर है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, हम सब चाहते हैं कि सदन में आचरण, सदन के नियमों का पालन हम सब करें। आपने बड़े सटीक तरीके से संतुलित करके और कभी-कभी कठोरता के साथ भी फैसले लिए हैं। मैं जानता हूं कि ऐसे निर्णय आपको पीड़ा भी देते हैं, लेकिन सदन की गरिमा और व्यक्तिगत पीड़ा के बीच आपने सदैव सदन की गरिमा को पसन्द किया और सदन की परम्पराओं को बनाने का प्रयास किया। आदरणीय अध्यक्ष जी, यह साहसपूर्ण काम के लिए भी आप अभिनन्दन के अधिकारी हैं।

आदरणीय अध्यक्ष जी, मुझे विश्वास है कि आप तो सफल होने ही वाले हैं, लेकिन आपकी अध्यक्षता में यह अठारहवीं लोक सभा भी बहुत सफलतापूर्वक देश के नागरिकों के सपनों को पूर्ण करेगी।

मैं फिर एक बार आपको इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए और देश को विकास की नयी ऊँचाइयों पर ले जाने वाले इस सदन की अध्यक्षता के लिए हृदय से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूं, बहुत-बहुत बधाई देता हूं।